सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 15 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 15 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो और आगे सोचो। विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
-धीरूभाई अंबानी

आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल में जीत... 7 | फ्री ब्रीज या वोटों का खरीदार... 3 | प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका से व्यापार... 2

# सपा प्रमुख अखिलेश का सीएम योगी पर तीखा प्रहार

## व्यापार सभा के अध्यक्ष की गिरफ्तारी पर सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश

» पार्टी कार्यालय और अखिलेश यादव के आवास के बाहर पुलिस का पहरा

» सपा नेता मनीष जगन की गिरफ्तारी पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से भी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार की शाम पुलिस ने समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उन्हें उनके घर से गिरफ्तार किया। इस पर सपा ने भाजपा की योगी सरकार पर तीखे प्रहार शुरू कर दिए हैं।

इस मामले को लेकर पूरे प्रदेश में सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। सपा के आधिकारिक एक्स हैंडल के अकाउंट से पोस्ट करके यह जानकारी दी गई। सपा ने कहा है कि श्री अग्रवाल को कुछ भी हो गया तो उसके लिए लखनऊ पुलिस जिम्मेदार होगी। उधर इस मामले की शिकायत आजाद अधिकार सेना ने मानवाअधिकार से भी की है।

### अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई : पुलिस

वहीं सपा के शुक्रवार की रात 11.09 बजे एक्स पर किए गए इस पोस्ट पर शनिवार को सुबह करीब 10.45 बजे लखनऊ पुलिस का रिप्लाई आया। लखनऊ पुलिस की तरफ से कहा गया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के माध्यम से समाज में लगातार नकारात्मकता, अशांति और हिंसा उत्पन्न करने की प्रबल संभावना को देखते हुए मनीष जगन अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया है। उनके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई है।

### महाकुंभ की समयसीमा बढ़ाई जाए : अखिलेश

वहीं समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाकुंभ की समयसीमा बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने इसके पीछे का तर्क भी बताया है, उन्होंने कहा है कि अभी भी देश में बहुत से ऐसे लोग हैं जो महाकुंभ आना चाहते हैं लेकिन किसी कारण से नहीं आ पाए हैं, ऐसे में सरकार को महाकुंभ की समय बढ़ानी चाहिए। समयसीमा बढ़ाई गई तो इससे ऐसे लोगों को खासतौर पर फायदा होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि पहले महाकुंभ या कोई कुंभ 75 दिनों का होता था। ऐसे में अगर इस बार भी अगर इसे 75 दिनों तक चलाया जाए तो और श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने प्रयागराज आ सकते हैं। श्री यादव ने कहा कि वहा बदइंतजामी इतनी है कि बहुत से लोग अब भी स्नान नहीं कर पा रहे हैं इसलिए स्नान का समय बढ़ाना चाहिए। सपा प्रमुख ने कहा है कि सरकार ने डिजिटल कुंभ की बात की थी पर वह अबतक भगदड़ में मरे लोगों का डिजिट नहीं बता पाई।

### अमिताभ ठाकुर ने उठाए सवाल

आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कल रात समाजवादी पार्टी नेता मनीष जगन अग्रवाल की सुशांत गोल्फ सिटी थाने में गिरफ्तारी के खिलाफ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत भेजी है। शिकायत में कहा गया है कि प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंभ पर की गई टिप्पणी के संदर्भ में मनीष जगन अग्रवाल को लखनऊ पुलिस ने कल शाम उनके घर से उठाया और बाद में देर रात शांति भंग की आशंका में उनकी गिरफ्तारी दिखाते हुए एसीपी कोर्ट में प्रस्तुत

कर जेल भेज दिया। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि इससे मनीष जगन को पहले घर से उठाकर बाद में किसी अन्य स्थान से फर्जी गिरफ्तारी दिखाई जाने की संभावना सामने आती है, जो सीधे-सीधे मानव अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने इसकी जांच की मांग की है।

### सपा कार्यालय के इलाके में बैरिकेड्स लगाए गए

उधर शनिवार की सुबह लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में नेताओं की चहलकदमी शुरू हो गई। सपा कार्यकर्ताओं द्वारा संभावित विरोध प्रदर्शन को लेकर सुबह सपा कार्यालय और पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के आवास के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कई थानों के पुलिसकर्मियों को सपा कार्यालय के पास तैनात किया गया है। इलाके में बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

### झूठे मामले में फंसाती है भाजपा

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा व सीएम योगी पर जमकर हमला बोला है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा है कि बीजेपी सरकार लोकतंत्र का मजाक बना रही है। उन्होंने कहा कि सपा नेता मनीष जगन को मैने सपा व्यापार सभा का अध्यक्ष बनाया था। वह सरकार की नीतियों से व्यापारियों को हो रहे परेशानियों को उठा रहा था इस लिए सरकार उससे डरती है इसलिए वह जर्बदस्ती उन्हें फंसा रही है।

### जगन या उनके परिवार को कोई हानि होती है तो लखनऊ पुलिस होगी जिम्मेदार : सपा

महाकुंभ को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने शुक्रवार देर रात मनीष जगन को गिरफ्तार किया। देर रात ही उनको एसीपी की कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सपा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन को लखनऊ पुलिस जबरन उनके आवास से हिरासत में लिया है। सपा ने लखनऊ के पुलिस आयुक्त और लखनऊ पुलिस को टैग की हुई पोस्ट में कहा, जगन हाई ब्लड प्रेशर के मरीज हैं तथा उनकी पत्नी भी गर्भवती हैं। यदि मनीष जगन या उनके परिवार को कोई हानि होती है तो उसकी जिम्मेदार लखनऊ पुलिस होगी।

### भाजपा को संविधान और लोकतंत्र पर विश्वास नहीं : फखरुल हसन चांद

सूत्रों ने कहा कि पुलिस को संदेह है कि पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन से पहले या बाद में विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता फखरुल हसन चांद ने कहा कि भाजपा को संविधान और लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है। व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल को रात में उनके घर से उठाया गया और मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया गया। उसे कहां ले जाया गया, इसके बारे में पुलिस की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गयी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता थाने गए, लेकिन कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि भाजपा अलोकतांत्रिक कार्य कर रही है। वह समाजवादियों और विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है, इसीलिए ऐसी कार्रवाई कर रही है। समाजवादी पार्टी का रास्ता संघर्ष का रास्ता है, संविधान का रास्ता है।

# प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका से व्यापार लाएं भारतीय बाजार वहां न पहुंचाएं: अखिलेश

## » बोले- देश के नौजवान कानून तोड़कर गए तो यह सरकार की नाकामयाबी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि अमेरिका जाने में कोई बुराई नहीं है। अमेरिका से लेकिन प्रधानमंत्री जी ऐसा व्यापार लाएं जिससे हमारे लोगों में खुशहाली हो। हम अपना बाजार अमेरिका को न दे दें। पिछली बार प्रधानमंत्री जी अमेरिका हीरा लेकर गए थे, इस बार कम से कम सोने की चेन लेकर जाते।

उन्होंने कहा कि हम सब चाहते है कि भारत मजबूत हो। यदि हमारे देश के नौजवान कानून तोड़कर गए तो यह किसकी नाकामयाबी हैं। वे मजबूरी में देश छोड़कर घर परिवार से दूर विदेश जा रहे है क्योंकि वहां बेहतर अवसर मिलेगा। जीवन अच्छा रहेगा। पंजाब, गुजरात में विदेश भेजने के नाम पर दलाल पैसा वसूलते हैं। सबसे ज्यादा भारत से जाने वालों में गुजरात के लोगों की सूची होगी। भारत इतना मजबूत हो कि कोई देष हथकड़ी-बेड़ी लगाकर हमारे नागरिकों को न भेजे। अमृतकाल में अमृतसर में हथकड़ी-बेड़ी लगाकर उन्हें उतारना भारत को नीचा दिखाने की कोशिश है। हमारा यही निवेदन और अपील होगी सरकार से कोई भी हिन्दुस्तानी हथकड़ी-बेड़ियों से वापस न आएं। भाजपाई तमाम योजनाओं को सफल बता रहे है। मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप, इंडिया डिजिटल इंडिया को सफल बता रहे हैं तो फिर लोग पलायन क्यों कर रहे हैं। भारत छोड़कर क्यों जा रहे है? श्री यादव ने कहा कि दावा तो यह है कि भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था से दूसरे-तीसरे नम्बर पर पहुंच जाएगा। भारत सरकार का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश हुआ है। नौकरी, रोजगार, किसान की आय और भारत का रोडमैप तैयार करने का दावा किया गया। लेकिन बजट आने के बाद जो मायूसी छाई है, जो आंकड़े सामने नज़र आए उससे न तो विकसित भारत बनने जा रहा है, नहीं इससे कोई अर्थव्यवस्था बढ़ने जा रही है। नौकरी रोजगार, और मैन्यूफैक्चरिंग के दावे असफल रहे है।

## महाकुंभ में आकर लोग बड़े पैमाने पर परेशान हुए

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने कहा कि विकसित भारत बनेगा, कहा वाराणसी को क्योटो बनाएंगे। भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर कैसा होना था? कुंभ में अगर 100 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद से तैयारी होती तो लोगों को असुविधा नहीं होती। महाकुंभ में आकर लोग बड़े पैमाने पर परेशान हुए। लोगों की जानें गई है। भगदड़ में ही नहीं जो श्रद्धालु आए उनकी भी जाने गई हैं। सरकार नहीं बता पा रही है कि मौत के आंकड़े क्या है? सरकार वस्तुतः यह जानकारी छुपा रही है। कुंभ के आयोजन ने यह साबित कर दिया है कि जो विकसित भारत का रोडमैप है, वह आधा-अधूरा है। कुंभ में जो आते है पुण्य के लिए श्रद्धा से आते है। सदियों से यह चलता आया है। भाजपा सरकार ने कुंभ पर जितना पैसा खर्च किया है और बड़े-बड़े दावे किए हैं उससे तो यही लगता है कि कुंभ की पौराणिकता तथा महाराजा हर्षवर्धन का कुंभ के आयोजन में कोई योगदान ही नहीं था।

### 403 में भाजपा की चार सौ बीसी नहीं चलेगी

अखिलेश यादव ने कहा कि अभी मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा जीत तो गई परन्तु एक में आप गड़बड़ कर सकते हो लेकिन 403 में भाजपा की चार सौ बीसी नहीं चलेगी। एक में लड़कर तो बेईमानी कर सकते हो। उपचुनाव में बीएलओ हटाए गए, कुछ खास जातियों के पुलिस वाले रखे गए, कुछ प्रिसाइडिंग अफसर बूथ में बैठकर टारगेट पूरा कर रहे थे। इस बेईमानी से लोकतंत्र कैसे बचेगा।

## रात्रिभोज निमंत्रण स्वीकार करने से पहले पार्टी नेतृत्व की पूर्व मंजूरी लें नेता: आदित्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिंदे गुट से सांसदों की मेल-मुलाकातों के बाद शिवसेना युबीटी ने सख्त कदम उठाए है। बतादें शिवेसना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने सांसदों से शिंदे की शिवसेना से रात्रिभोज निमंत्रण स्वीकार करने से पहले पार्टी नेतृत्व की पूर्व मंजूरी लेने के लिए कहा है। 11 फरवरी को, जब पवार ने शिंदे को सम्मानित किया, तो मुंबई उत्तर पूर्व से यूबीटी सेना सांसद संजय दीना पाटिल दिल्ली में कार्यक्र म में मौजूद थे।

राकांपा-सपा प्रमुख शरद पवार द्वारा शिवसेना को तोड़ने वाले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने पर निराशा व्यक्त करने के बाद, उद्धव ठाकरे सेना गुट का नेतृत्व अपने स्वयं के उन सांसदों से भी नाराज है जो शिंदे और उनके गुट के साथ मेलजोल रखते रहे हैं। यह पता चलने के बाद कि यूबीटी सेना के कई सांसद शिंदे और अन्य लोगों से मिल रहे हैं, और यहां तक कि उस कार्यक्रम में भी मौजूद थे, जहां शिंदे को पवार ने सम्मानित किया था, यूबीटी सेना के आदित्य ठाकरे ने पार्टी सांसदों से शिंदे खेमे के सांसदों के साथ मेल-मिलाप नहीं करने को कहा है।

# भाजपा की नीतियों से प्रदेश में सांप्रदायिकता को बढ़ावा मिल रहा: अजय राय

## » हाटा मामले में राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

### » प्रदेश अध्यक्ष बोले- मस्जिद पर बुलडोजर चलाना अराजकता को बढ़ावा देना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। इसमें उन्होंने कुशीनगर के हाटा की यात्रा और वहां लोगों से की गई बातचीत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुशीनगर के हाटा में मस्जिद पर बुलडोजर चलवाने की घटना सांप्रदायिकता को बढावा देना है। यह सामाजिक समरसता तोड़ने की साजिश है।

राज्यपाल को भेजे गए पत्र में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे ज्यादती पर हस्तक्षेप करने की मांग की है। पत्र में बताया कि नौ फरवरी 2025 को कुशीनगर के हाटा में 1999 में स्थापित मदनी मस्जिद के हिस्से को ध्वस्त करा दिया गया। उन्होंने बताया कि वह खुद मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच की। स्थानीय लोगों ने बताया कि 26 साल पहले बनी इस मस्जिद के भवन के नक्शे को मंजूरी भी ली गई थी।

सरकारी नोटिस के बाद मस्जिद पक्षकारों ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी और 8 फरवरी तक स्थगन आदेश भी प्राप्त कर लिया। इसके बाद भी 9 फरवरी को मस्जिद के हिस्सों को ढहा दिया गया। इससे प्रदेश में सांप्रदायिकता को बढ़ावा मिल रहा है। बहराइच और संभल के बाद कुशीनगर में हुई इस घटना से लोग आहत है। यह कृत्य इस बात का प्रमाण दे रहा है कि यदि कोई भी भाजपा सरकार से असहमत है तो उसके पूजा स्थलों को भी नहीं छोड़ा जाएगा। यह स्थित अन्य संप्रदायों को मानने वालों के लिए भी चिंताजनक है। इस प्रक्रिया से देश-विदेश में हमारी न्याय-व्यवस्था की छवि भी धूमिल हो रही है।

### अल्पसंख्यक समाज के लोग हैं आहत

उन्होंने राज्यपाल से मांग की कि इस गंभीर समस्या पर हस्तक्षेप करें। केन्द्र सरकार को भी प्रदेश सरकार द्वारा अपनाई गई द्वेषपूर्ण कार्यवाही से अवगत कराए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि मस्जिद पर बुल्डोजर चलाने की घटना अधिशासी अधिकारी के आदेश पर की गई है। घटना के बाद सपा का नगर पालिका अध्यक्ष भी मौके पर नहीं गया। इससे भी अल्पसंख्यक समाज के लोग आहत हैं।

## क्या लालू तांत्रिक हो गए हैं: जयसवाल

### राजद सुप्रीमो के बयान पर भाजपा ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भागलपुर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के हालिया बयान के बाद बिहार की राजनीति गरमा गई है। इस बयान पर भाजपा की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई है। बिहार सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा, क्या लालू तांत्रिक हैं, जो तंत्र-मंत्र की बात कर रहे हैं? वे बिहार की जनता को दिग्भ्रमित नहीं कर सकते।

बिहार में उनकी कहानी समाप्त हो चुकी है। भाजपा आज देश की सबसे बड़ी पार्टी है, और उसकी तुलना किसी क्षेत्रीय दल से नहीं की जा सकती। उन्होंने भाजपा की तुलना राजा भोज से करते हुए क्षेत्रीय पार्टी को गगु तेली की संज्ञा दे दिया। उन्होंने कहा कि आज भाजपा (एनडीए) देश के नक्शे पर हर जगह दिख जाएगा। लेकिन महागठबंधन कहीं दिख रहा है क्या ? पूरे देश में भाजपा का डंका बज रहा है। नरेन्द्र मोदी की गारंटी समूचे देश में गूंज रही है। लोग सिर्फ मोदी की गारंटी पर विश्वास कर रहे हैं। दिलीप जयसवाल ने ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब अंग्रेजियत और मुगलियत को अस्वीकार कर चुका है। उन्होंने कहा, भारत पर शासन करने आए मुगलों ने हमारी बहू-बेटियों की अस्मत लूटी। अब उनके नाम पर सम्मान नहीं दिया जाएगा। यह देश अपनी संस्कृति और विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

### मोदी दूसरे स्वामी विवेकानंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए दिलीप जयसवाल ने कहा, पहले स्वामी विवेकानंद थे, जिन्होंने भारत को आध्यात्मिक मार्ग दिखाया और अब नरेंद्र मोदी हैं, जो देश को विश्वगुरु बनाने की राह पर आगे ले जा रहे हैं।

## 51 ट्रेनी पुलिस उपाधीक्षकों को तैनाती

### » ऋषभ और अनुष्का बनाये गये लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में एसीपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रांतीय पुलिस सेवा संवर्ग के 51 ट्रेनी पुलिस उपाधीक्षकों को नियमित तैनाती मिल गई है। इन सभी अधिकारियों को ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उसी जिले में तैनाती दी गई है। इसमें 12 ट्रेनी पुलिस अधिकारियों को अलग-अलग पुलिस कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर तैनाती मिली है।

जबकि बाकी सभी अधिकारियों को अलग-अलग जिलों में पुलिस उपाधीक्षक के पद की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। इसमें शाहरुख खान को डीएसपी हमीरपुर, सुनील कुमार को डीएसपी ललितपुर, जितेंद्र कुमार को बलरामपुर, आशुतोष कुमार को सुल्तानपुर और आसमा वकार को DSP झांसी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं ऋषभ यादव और अनुष्का को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में ACP बनाया गया है। जिन ट्रेनी पुलिस उपाधीक्षकों को तैनाती मिली है उनमें प्रखर पांडे का नाम भी शामिल है। प्रखर पांडेय को बुलंदशहर का पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है। जबकि कुलवीर सिंह को पुलिस उपाधीक्षक कन्नौज, अमित पाठक को पुलिस उपाधीक्षक हाथरस, इशिका सिंह को पुलिस उपाधीक्षक शाहजहांपुर और पृथुयस्शय पुनीत मिश्रा को पुलिस उपाधीक्षक औरैया बनाया गया है। इसके साथ ही फहद अली को डीएसपी चित्रकूट, उदित नारायण पालिवाल को डीएसपी गोंडा, शशांक शेखर त्रिपाठी पुलिस उपाधीक्षक यूपीपीसीएल प्रयागराज, गरिमा पंत को डीएसपी बाराबंकी, अजय कुमार को डीएसपी बरेली और प्रियम राजशेखर पांडे को DSP संतकबीरनगर में नियमित तैनाती मिल गई है।

# फ्री ब्रीज या वोटों का खरीदार बताओ सरकार!

## मुफ्त की योजनाओं पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

## शीर्ष अदालत बोली- आम लोगों को मुहैया कराएं रोजगार

» सियासी पार्टियों व सरकारों को लगी फटकार

संजीव पाठक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में चुनाव हो तो मुफ्त योजनाओं की झड़ी लग जाती है। कोई बिजली-पानी मुफ्त देता है, तो कोई नगद सहायता का ऐलान कर देता है। ऐसे राजनीतिक दलों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने फ्रीबीज पर नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फ्रीबीज की वजह से लोग काम करने के लिए तैयार ही नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है इससे पहले 9 दिसंबर 2024 को भी सरकार की मुफ्त राशन योजना पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा।

सरकार रोजगार के साधन पैदा क्यों नहीं कर रही है। कुछ याचिकाएं तो ऐसी हैं कि जिनमें फ्रीबीज योजनाओं को रिश्वत की संज्ञा देने की मांग की गई है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट फ्रीबीज पर टिप्पणी कर रहा है, सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ रहा है, मगर सवाल यही है कि आखिर बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा। यानी कौन सा राजनीतिक दल इन योजनाओं को खत्म करने की हिम्मत जुटा पाएगा। दरअसल वोट की लालसा में राजनीतिक दल इस तरह की योजनाओं को शुरू तो कर देते हैं। लेकिन इन्हें वापस लेना मुश्किल हो जाता है, अगर कोई दल इन समीक्षा करने की भी बात कहता है, तो विपक्षी दल बयानबाजी शुरू कर देते हैं सरकार को गरीब विरोधी ठहराया जाने लगता है.... और खजाने पर बोझ लगातार बढ़ता जाता है।

## सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त की योजनाओं पर की सख्ती

आपको बता दें कि राजनीतिक पार्टियों द्वारा मुफ्त की योजनाओं के ऐलान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव के वक्त की जाने वाली मुफ्त की योजनाओं पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, लोग काम करना नहीं चाहते, क्योंकि आप उन्हें मुफ्त राशन दे रहे हैं, बिना कुछ किए उन्हें पैसे दे रहे हैं, कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि इन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की बजाय..... क्या आप मुफ्त की योजनाएं लागू करके परजीवियों की जमात नहीं खड़ी कर रहे हैं, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच शहरी इलाकों में बेघर लोगों को आसरा दिए जाने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। वहीं अब 6 हफ्ते बाद दोबारा इस याचिका पर सुनवाई होगी।

## कई अदालतों में उठ चुके हैं ऐसे मामले

वहीं यह पहली बार नहीं है जब कोर्ट ने फ्रीबीज को लेकर सख्त टिप्पणी की है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 9 दिसंबर 2024 को केंद्र सरकार के मुफ्त राशन बांटने पर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा। सरकार रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रही। तब कोर्ट अकुशल मजदूरों को मुफ्त राशन कार्ड दिए जाने से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र ने अदालत को बताया था कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त या रियायती राशन दिया जा रहा है। बता दें कि 15 अक्टूबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने फ्रीबीज पर केंद और चुनाव आयोग को नोटिस भेजा था।एक याचिका में मांग की गई है कि चुनाव से पहले मुफ्त योजनाओं के वादे को रिश्वत घोषित किया जाए। साथ ही चुनाव आयोग ऐसी योजनाओं पर फौरन रोक लगाए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश का किसी भी तरह से पालन नहीं किया गया और राजनीतिक पार्टियों के द्वारा मुफ्त की योजनाओं का लगातार चुनाव जीतने के लिए ऐलान किया जाता रहा है।

## के कामराज ने की थी फ्रीबीज योजनाओं की शुरुआत

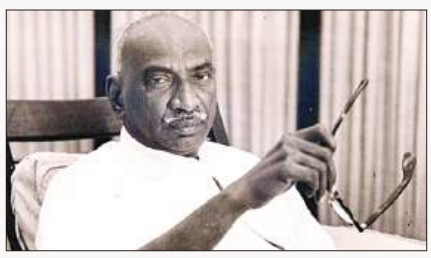

आपको बता दें कि फ्रीबीज योजनाओं का लंबा इतिहास रहा है। इसकी शुरुआत सबसे पहले मद्रास में के कामराज ने की थी। 1954 से 1963 तक सत्ता में रहे कामराज ने मुफ्त शिक्षा और मुफ्त भोजन का प्लान बनाया था। वहीं 1967 में तमिलनाडु में अन्नादुरई ने 4.5 किलो मुफ्त चावल हर किसी को देने का ऐलान किया था। 2006 में यहीं पर अन्नाद्रमुख ने रंगीन टीवी की पेशकश की थी। जबकि डीएमके ने रंगीन टीवी के साथ केबल कनेक्शन भी ऑफर कर दिया था। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने 2015 में सरकार बनाई थी। राजनीतिक विश्लेषक ऐसा मानते हैं कि इसका प्रमुख कारण मुफ्त पानी, बिजली का वादा था।

## कर्ज से कराह रहें राज्यों के खजाने

आपको बता दें कि योजना का ऐलान करने वाले राज्य और उन राज्यों पर कितना कर्ज है, आपको उन राज्यों और कर्ज के बारे में बताते हैं, मध्य प्रदेश में सरकार द्वारा लाडली बहना योजना का ऐलावन किया गया जिसको लेकर राज्य सरकार के ऊपर 3.8 लाख करोड़ का कर्ज है। वहीं चुनाव जीतने के लिए मध्य प्रदेश की तर्ज पर महाराष्ट्र में लाड़की बहना योजना का ऐलान किया गया। जिसको लेकर राज्य के ऊपर 7.8 लाख करोड़ का कर्ज है। बता दें कि कर्नाटक में सरकार के द्वारा 5 गारंटी का ऐलान किया गया। जिसको लेकर राज्य के ऊपर 6.65 लाख करोड़ का कर्ज है, वहीं पंजाब में चुनाव जीतने के लिए आम आदमी पार्टी के द्वारा मुफ्त बिजली और फ्री बस यात्रा का ऐलान किया गया। जिसको लेकर सरकार के ऊपर 3.74 लाख करोड़ का कर्ज है, ऐसे ही मुफ्त रेवड़ी देने के लिए हरियाणा और झारखंड राज्यों में भी कर्ज है।

### कर्नाटक से लेकर हरियाणा तक में हैं मुफ्त की योजनाएं

वहीं कर्नाटक में कांग्रेस ने मुफ्त बिजली, अनाज और बस यात्रा का ऑफर दिया। तो हरियाणा में भाजपा ने महिलाओं को 2100 रुपये भत्ता देने का ऐलान कर बहुमत में सरकार बनाई थी। महाराष्ट्र में 2024 में भाजपा ने लाडकी बहिन योजना के तहत 1500 रुपये देने का ऐलान किया था और भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई थी।

## सरकारों को रोजगार के साधन जुटाने होंगे

बता दें कि सरकार लोगों को रोजगार नहीं दे पा रही है और देश की जनता को अपाहिज बनाने का काम कर रही है और फ्री में तमाम सुविधाएं देकर उनको आलसी बनाने का काम कर रही है। जो देश और प्रदेश के लिए आने वाले समय में घातक सिद्ध होगा। वहीं सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद सरकार रोजगार के अवसर तलाश करती है। या फिर इसी तरह से लगातार मुफ्त की रेवड़ी देकर देश की जनता को अपाहिज करने का काम करती रहेगी. यह तो आने वाला वक्त तय करेगा।

## मुफ्त सुविधाओं के कारण लोग काम करने को तैयार नहीं : न्यायमूर्ति गवई

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव से पहले मुफ्त सुविधाओं की घोषणा करने की प्रथा की निंदा की और कहा कि लोग काम करने के इच्छुक नहीं हैं क्योंकि उन्हें मुफ्त राशन और पैसा मिल रहा है। ये टिप्पणियाँ न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने की जो शहरी क्षेत्रों में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि दुर्भाग्य से इन मुफ्त सुविधाओं के कारण लोग काम करने को तैयार नहीं हैं। उन्हें मुफ्त राशन मिल रहा है। उन्हें बिना कोई काम किए राशि मिल रही है। हम उनके लिए आपकी चिंता की सराहना करते हैं, लेकिन क्या यह बेहतर नहीं होगा कि उन्हें समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बनाया जाए और उन्हें राष्ट्र के विकास में योगदान देने की अनुमति दी जाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# भारतीय क्रिकेट टीम की साख होगी दांव पर

**भारत का पहला मुकाबला 20 को बांग्लादेश से होगा। इसबार टीम इंडिया की साख रावं पर लगी है। भारत इससे पहले इस ट्राफी में पाकिस्तान से फाइनल में हार गया था। पिछली चैम्पियंस ट्रॉफी जून- 2017 में इंग्लैंड और वेल्स में खेली गई थी। तब भारत और पाकिस्तान की भिडंत फाइनल में हुई थी और पाकिस्तान ने हमें पराजित कर दिया था।**

*कुछ दिनों से मैचों में भारतीय क्रिकेट टीम आशानुरुप प्रदशर्नन नही कर पा रही थी। हालांकि इंग्लैंड का सफाया करके उसने वापसी की है। उधर चैंपियंस ट्राफी का आगाज 19 फरवरी से है। भारत का पहला मुकाबला 20 को बांग्लादेश से होगा। इसबार टीम इंडिया की साख रावं पर लगी है। भारत इससे पहले इस ट्राफी में पाकिस्तान से फाइनल में हार गया था। पिछली चैम्पियंस ट्रॉफी जून- 2017 में इंग्लैंड और वेल्स में खेली गई थी। तब भारत और पाकिस्तान की भिडंत फाइनल में हुई थी और पाकिस्तान ने हमें पराजित कर दिया था। लीग मैच में तो भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया था लेकिन फाइनल में हम उससे पार नहीं पा सके। उसके बाद यह प्रतियोगिता काफी दिनों तक स्थगित रही। अब 2025 में इसकी वापसी हो रही है। विश्व की आठ प्रमुख टीमें इसके लिए मैदान में उतरेंगी। भारत का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के साथ होगा।*

*क्रिकेट की दुनिया में एक बार फिर से चैम्पियंस ट्रॉफी की वापसी हो गई है। इसी महीने की 19 तारीख से इसका शुभारंभ पाकिस्तान की धरती से हो रहा है। इसे मिनी विश्व कप भी कहा जाता है। इस प्रतियोगिता में आईसीसी वनडे रैंकिंग की आठ टीमें भाग लेती हैं। आईसीसी ने उन देशों में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए चैम्पियंस ट्राफी की शुरुआत की जहां टेस्ट मैच नहीं खेले जाते हैं। इसीलिए पहली चैम्पियंस ट्रॉफी 1998 में बांग्लादेश में खेली गई। इसके बाद इसका आयोजन 2002 में कीनिया में हुआ। 2013 में भारत इसका विजेता रहा है। पहले यह हर दो साल पर खेली जाती थी। इस बार 50 ओवरों के फार्मेट में इसके मैच पाकिस्तान के अलावा दुबई में खेले जाएंगे। विराट कोहली का बल्ला भी काफी दिनों से खामोश है। नागपुर में वह चोट के कारण नहीं खेले लेकिन कटक में उनके बल्ले से केवल 5 रन निकले। विराट और रोहित का यह आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है क्योंकि दोनों पर उम्र का प्रभाव दिख रहा है। इन दोनों के निराशाजनक प्रदर्शन से टीम का पराजय का मुंह देखना पड़ता है। उप कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में अर्धशतकीय पारी खेली है। यह शुभ संकेत है, पर केएल राहुल ने निराश किया है। चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए जसप्रीत बुमराह का फिट होना बहुत जरूरी है। इसी कारण इंग्लैंड के विरुद्ध मैचों में उन्हें नहीं उतारा गया। मोहम्मद शमी लगभग एक साल बाद वापसी कर रहे हैं। बुमराह और शमी अगर पूरी तरह फिट रहे तो भारत की संभावनाएं काफी प्रबल हो जाएंगी। अक्षर पटेल का हरफनमौला प्रदर्शन भारत के लिए बोनस की तरह है। आशा है, रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे और भारत इस आईसीसी ट्रॉफी को जीत कर विश्व कप-2023 की हार का गम करेगा।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# बजट वृद्धि से स्वास्थ्य सेवाओं को संबल

राकेश कोछड़

केंद्रीय बजट 2025-26 के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रावधानों से चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, कैंसर के इलाज का सामर्थ्य, अनुबंध कर्मियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के अंतर्गत लाने से लेकर चिकित्सा पर्यटन तक को बढ़ावा मिलेगा। 31 जनवरी को संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण के मद्देनजर केंद्रीय बजट 2024-25 में भारत के स्वास्थ्य व्यय में 2020-21 में 3.2 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 2025 में 6.1 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। वर्ष 2022 में भारत का स्वास्थ्य व्यय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.8 प्रतिशत रहा। 2015 और 2022 के बीच, रोगी की जेब से होने वाला खर्च 62.6 प्रतिशत से घटकर 39.4 प्रतिशत हो गया, जिसमें पीएम-जेएवाई ने निर्णायक भूमिका निभाई।

सभी नागरिकों को एक समान स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करने की गर्ज से पिछले साल पीएम-जेएवाई योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को शामिल किया गया। सरकार ने अब इस योजना के तहत अनुबंध पर रखे कामगारों को भी शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम अनौपचारिक क्षेत्र के अनुमानित एक करोड़ श्रमिकों के लिए वित्तीय और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, जिन्हें पहले कोई भी बीमा सुरक्षा उपलब्ध नहीं है। हालांकि, इसके लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियोक्ता अनुबंधित कारगारों का डाटा साझा करने में पारदर्शी हों। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रस्तावित आवंटन पिछले वर्ष की तुलना में 9.7 प्रतिशत बढ़कर 99,858.56 करोड़ रुपये हो गया है, इसमें आयुष्मान भारत बुनियादी मिशन को 26 प्रतिशत की वृद्धि मिली है जबकि पीएम-जेएवाई के बढ़ते दायरे को ध्यान में रखते हुए 28.85 प्रतिशत का इजाफा किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इंटरनेट सुविधा के प्रावधान का लाभ डिजिटल स्वास्थ्य और टेलीमेडिसिन सेवाओं को विस्तार देने में उठाया जा सकता है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को केवल 3.77 प्रतिशत की वृद्धि मिली है।

इसके बावजूद सेहत को मजबूत करने और बीमारी की रोकथाम पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री ने आने वाले वर्ष में मेडिकल कॉलेजों में 10,000 अतिरिक्त सीटें और अगले पांच वर्षों में 75,000 सीटें बढ़ाने की घोषणा की है। पिछले 10 वर्षों में

एमबीबीएस और स्नातकोत्तर सीटें दोगुनी से अधिक बढ़कर क्रमश: 1,18,137 और 73,157 हो गई हैं। हालांकि, अभी भी चिकित्सा शिक्षकों की कमी है और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग शिक्षकों की संख्या और अनुभव के मानदंडों को घटाने में लगा है। स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों के बीच भारी असमानता बनी हुई है। नि:संदेह, विभिन्न विशेषज्ञताओं में सीटों की संख्या के लिए एक गतिशील नीति होनी चाहिए। उदाहरणार्थ, भारत को आने वाले वर्षों में कार्डियक सर्जनों की कम और ऑनकोलॉजिस्ट, इंटेंसिविस्ट और ट्रॉमा विशेषज्ञों की अधिक आवश्यकता पड़ेगी। देश को अधिक कुशलता वाली नर्सें, तकनीशियन जैसी अन्य सहायक जनशक्ति की भी आवश्यकता पड़ेगी। सरकार ने कैंसर मरीजों की मदद के वास्ते बड़ी पहल करने की योजना बनाई है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम रिपोर्ट-2020 के अनुसार, नौ में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। सरकार अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित करना चाहती है, जिसमें 2025-26 में 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। ऐसे केंद्रों का उपयोग आमतौर पर कीमोथेरैपी के लिए किया जाता है। यह सुविधा कैंसर उपचार तक रोगी की पहुंच आसान करने में सहायक होगी, जो फिलहाल केवल बड़े अस्पतालों या मेडिकल कॉलेज जैसे उच्च केंद्रों पर उपलब्ध है। इस पहल के लिए पीपीपी मोड का उपयोग करने का प्रस्ताव है। हालांकि, प्रशिक्षित जनशक्ति, उन्नत इमेजिंग और कैंसर डायग्नोस्टिक्स जैसे बुनियादी ढांचे की कमी है। बजट में कई दवाओं की कीमतों में कटौती का प्रस्ताव किया गया है, जिसका सीधा फायदा नागरिक की जेब को होगा।

कैंसर, अप्रचलित बीमारियों और अन्य पुराने रोग से पीड़ित मरीजों को राहत देने के लिए 36 जीवन रक्षक दवाओं को मूल सीमा शुल्क से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। छह अतिरिक्त जीवन रक्षक दवाओं पर अब 5 प्रतिशत का रियायती सीमा शुल्क लगेगा। स्थानीय कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए उपरोक्त श्रेणियों की दवाओं के थोक निर्माताओं को भी रियायत दी जाएगी। प्रस्तावित एक अन्य प्रमुख क्षेत्र चिकित्सा पर्यटन है। देश में विशेषज्ञ चिकित्सा पेशेवरों और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के साथ, भारत के कई निजी अस्पतालों में पहले से ही दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया से रोगी इलाज के वास्ते आ रहे हैं।

# भारतीय संस्कारों की तुलसी को अमेरिकी सुरक्षा का जिम्मा

अरुण नैथानी

बारह फरवरी को भारतीय सरोकारों व हिंदू संस्कारों का मुखर समर्थन करने वाली पूर्व अमेरिकी सांसद तुलसी गबार्ड अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर बन गई। इस नियुक्ति के बाद तुलसी अमेरिका की महत्वपूर्ण व ताकतवर 18 खुफिया एजेंसियों का नेतृत्व करेंगी। बुधवार को अमेरिकी सीनेट ने डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नामित तुलसी की नियुक्ति पर 52-48 के अंतर से मोहर लगा दी। निदेशक के रूप में तुलसी सीआईए,एफबीआई, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी समेत 18 खुफिया एजेंसियों का नेतृत्व और 70 बिलियन डॉलर के बजट का प्रबंधन करेंगी। सेना में कर्नल के रूप में इराक व कुवैत में चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने का तुलसी का अनुभव इस पद पर काम आएगा।

तेरह फरवरी को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका पहुंचे तो तुलसी गबार्ड से उनकी मुलाकात की खबरें देश-विदेश के मीडिया में छायी रही। तुलसी नरेंद्र मोदी की प्रशंसक प्रधानमंत्री बनने से पहले भी रही हैं। उन्होंने राजग सरकार के जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने आदि कदमों का स्वागत किया था। यहां तक कि भारत प्रवास के दौरान एक स्कूल में सफाई अभियान में भाग लेकर उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन का समर्थन किया था। उल्लेखनीय है कि पहले डेमोक्रेटिक पार्टी से सांसद बनने वाली तुलसी ने 2022 में पार्टी को छोड़कर रिपब्लिकन पार्टी ज्वाइन कर ली थी। कालांतर वे ट्रंप के समर्थन में खुलकर आ गई थी। पद संभालने के बाद उन्होंने अमेरिकी नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी व सुरक्षा के लिये कार्य करने की बात कही है। दरअसल, वर्ष 1981 में अमेरिका के समाओ द्वीप में माइक गबार्ड व कैरोल गबार्ड के घर जन्मी तुलसी उनकी पांच संतानों में शामिल थी। फिर वर्ष 1983 में उनका परिवार अमेरिका के हवाई राज्य में आकर बस गया। कालांतर तुलसी की मां कैरोल ने हिंदू धर्म अपना लिया। तुलसी की परवरिश मिले-जुले धार्मिक परिवेश में हुई क्योंकि जहां पिता कैथोलिक धर्म के अनुयायी थे, वहीं माता हिंदू धर्म को मानने वाली। लेकिन उनके पिता ने हिंदू पूजा पद्धति का विरोध नहीं किया। तुलसी ने किशोर अवस्था में हिंदू धर्म स्वीकार कर लिया।

उल्लेखनीय है कि हिंदू मान्यताओं से गहरी जुड़ी तुलसी पूर्णत: शाकाहारी हैं। वह चैतन्य महाप्रभु के आध्यात्मिक आंदोलन गौड़िया वैष्णव संप्रदाय का अनुकरण करती हैं। यहां तक कि उनके भाई-बहन भी हिंदू हैं। जिनके नाम भक्ति,जय, नारायण और वृंदावन हैं। उनका मानना है कि भगवद्गीता उनका आध्यात्मिक मार्गदर्शन करती है। वह कर्मयोग में गहरी आस्था रखती है। दरअसल, अमेरिकी सेना की पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल गबार्ड वर्ष 2013 में वह उस समय सुर्खियों में आई थीं, जब अमेरिकी कांग्रेस में चुने जाने के बाद उन्होंने भगवद् गीता के साथ शपथ ली थी। तुलसी गबार्ड के पिता माइक गबार्ड भी हवाई द्वीप समूह की राजनीति में अपनी खास पहचान रखते हैं। तुलसी ने प्रारंभिक शिक्षा अपने घर पर ही ली। कालांतर वर्ष 2009 में हवाई पैसिफिक यूनिवर्सिटी से बिजनेस प्रबंधन में स्नातक की डिग्री हासिल की। उन्होंने 16 साल तक सेना में सेवाएं दी। वर्ष 2006 में अशांत इराक में तैनात रहीं। तुलसी 2013 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिये डेमोक्रेट सांसद के रूप में चुनी गई। वे अपने इलाके में रिकॉर्ड मतों से जीतती रही हैं। तुलसी भारत के साथ मजबूत अमेरिकी संबंधों की पक्षधर रही हैं।

दो दशकों से अधिक समय के लिये आर्मी नेशनल गार्ड से जुड़ी रही तुलसी ने कालांतर वर्ष 2020 में राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेट उम्मीदवार के लिये अपनी दावेदारी पेश की थी। गबार्ड अमेरिकी संसद की पहली हिंदू सदस्य थीं। उन्होंने सरकार की स्वास्थ्य सेवा, मुफ्त कॉलेज ट्यूशन और बंदूकों पर नियंत्रण जैसे मुद्दों का समर्थन किया था। बाद में 2021 में संसद छोड़ने के बाद कई मसलों पर उनके डेमोक्रेटिक पार्टी से मतभेद उत्पन्न हुए। फिर वे खुलकर ट्रंप के समर्थन में आने लगी। वर्ष 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ने के बाद वर्ष 2024 में वे रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हुई। वर्ष 2015 में तुलसी तब चर्चाओं में आई जब उन्होंने वैदिक रीति-रिवाज से सिनेमैटोग्राफर अब्राहम विलियम्स से विवाह किया। तब उनके विवाह समारोह में तत्कालीन कार्यवाहक भारतीय राजदूत व भाजपा प्रवक्ता राम माधव शामिल हुए थे।

माधव ने तब प्रधानमंत्री मोदी का संदेश पढ़ा और गणेश की प्रतिमा उपहार के रूप में दी। तुलसी इस विवाह से कुछ माह पूर्व भारत के दौरे पर आई थी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, कैबिनेट मंत्रियों व सेना प्रमुख से भी मुलाकात की थी। वे वर्ष 2014 से पहले भी मोदी की नीतियों का समर्थन करती रही हैं। दरअसल, तुलसी अपनी हिंदू पहचान को तो मुखरता से स्वीकार करती हैं लेकिन वे खुद को हिंदू राष्ट्रवादी नहीं मानती। उनका मानना रहा है कि उनके समावेशी दृष्टिकोण के चलते ही उन्हें ईसाई, यहूदी, बौद्ध व मुस्लिमों का समर्थन मिलता रहा है। वहीं वे मानती रही हैं कि अमेरिका में हिंदूफोबिया एक दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई है। जिसका अनुभव मैंने कांग्रेस सांसद बनने के प्रत्येक अभियान में महसूस किया। लेकिन अपनी आस्था व विश्वासों के प्रति वह दृढ़ रही हैं। पहली बार संसद पहुंचने पर उन्होंने भगवद् गीता की शपथ ली थी। वे गीता के महत्व पर अक्सर बोलती नजर आती हैं। शपथ ग्रहण के बाद तुलसी ने कहा था कि भगवद् गीता से मुझे प्रेरणा मिलती है कि मैं अपना जीवन अपने देश और दूसरों के लिये अर्पित कर दूं।

# बिना तेल के बनने वाला नाश्ता

एक समय था जब लोग तरह-तरह के पकवान खाना पसंद करते थे, और इन्हें खाने से उनकी तबियत में किसी तरह का कोई फर्क नहीं पड़ता था। लेकिन अब समय बदल गया है। आज के समय में लोग न सिर्फ खाने से पहले सोचते हैं, बल्कि वो इस बात का भी पूरा ध्यान रखते हैं कि किसी भी तरह के खाने का दुष्प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर न पड़े। इसके लिए ही वो कम तेल मसाले वाला नाश्ता और खाना पसंद करते हैं। तेल मसाले वाला खाना शरीर के लिए भी काफी लाभदायक होता है। ऐसे में कुछ ऐसे रु नैक्स हैं, जिनको बनाने के लिए जीरो ऑयल का इस्तेमाल करना पड़ेगा। जीरो ऑयल मतलब कि इसे बनाने के लिए आपको एक बूंद तेल की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

## जिसे खाकर पेट भी रहेगा दुरुस्त

## ढोकला

मशहूर गुजराती पकवान ढोकला खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाना भी काफी सरल होता है। ऐसे में आप बिना सोचे झटपट इसे तैयार कर सकती हैं। यदि आपके पास बेटर में खमीर उठाने का समय नहीं है तो आप इनो का इस्तेमाल कर सकते हैं। खाने के शौकीन एक बार इसका स्वाद ले लें तो फिर इसे दोबारा खाने का मौका नहीं छोड़ते हैं। ब्रेकफास्ट के वक्त या फिर दिन में किसी भी वक्त थोड़ी सी भूख सताने पर फटाफट इस रेसिपी को तैयार किया जा सकता है। बच्चे भी इसे काफी पसंद करते हैं।

## वेजिटेबल इडली

इडली भले ही साउथ इंडियन फूड हो लेकिन अब ये लगभग हर भारतीय घर में बनाकर चाव से खायी जाती है। स्वाद एवं पौष्टिकता से भरपूर होने के साथ ही इडली कम वक्त में ही बनकर तैयार होने वाली रेसिपी है। मिक्स वेजिटेबल इडली का स्वाद भी लाजवाब होता है। इसके लिए आपको सूजी साधारण तरीके से इडली का घोल तैयार करना है और फिर उसमें ढेर सारी सब्जियों को मिलाना है। सब्जियों की वजह से इडली का स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा। मिक्स वेजिटेबल इडली बनाने के लिए बिन्स, स्वीट कॉर्न, मटर, शिमला मिर्च आदि सब्जियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये फूड डिश बच्चों को भी काफी पसंद आएगी।

## ओट्स पोहा

आज के समय में भागदौड़ वाली लाइफस्टाइल में खानपान जितना हल्का रखा जाए उतना ही फायदेमंद रहता है। यह पाचन तंत्र के लिए भी बेहतर होता है। दरअसल, ज्यादातर लोग जो डेस्क जॉब करते हैं उनमें अक्सर पाचन की समस्या देखी जाती है। ऐसे में बेहतर है हल्का नाश्ता लें। ओट्स पोहा ऐसा ही एक नाश्ता है जो पाचन के लिए तो बेहतर है ही साथ में सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। और इसे बनाना भी बेहद आसानी से जा सकता है, ओट्स को हल्का भूनकर पानी और सब्जियों के साथ पकाएं। इसमें नींबू और मसाले डालकर स्वाद बढ़ाएं। इसे बच्चे से लेकर बड़े लोग तक आसानी से खा सकते हैं।

## स्प्राउट्स चाट

अंकुरित चना, मटर, मूंग, सोयाबीन और मूंगफली को स्टीम करके उसमें टमाटर, प्याज, हरी मिर्च, धनिया और नींबू का रस डालकर तैयार करें। ये चाट खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है और इसे बनाना भी काफी सरल है।

## सूजी का उपमा

यदि हेल्दी खाने की बात हो रही है और उसमें उपमा का जिक्र न हो, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। इसे बनाने के लिए एक बूंद तेल की जरूरत भी नहीं पड़ती। सबसे पहले सूजी को एक चम्मच जीरा के साथ भूनें। फिर पैन में सरसों, चना दाल, उड़द दाल और काजू डालें और अच्छी तरह से भूनें। इसके बाद इसमें कटी हुई अदरक, हरी मिर्च, हींग और करी पत्ता डालें। अब इसमें थोड़ा दूध और पानी डालें और उबलने दें। जब उबाल आ जाए तो भुनी हुई सूजी को थोड़ा-थोड़ा करके डालना शुरू करें। अब पैन को ढक दें और आंच धीमी कर दें। इसे 2-3 मिनट तक ऐसे ही रहने दे।

## हंसना मना है

प्रेमी -प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया, प्रेमिका- परन्तु प्रिय, एक बात मैं पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता, प्रेमी- कोई बात नहीं प्रिय, मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं , मैं कवि हूं , मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से पूछा -पत्नी द्वारा तलाक दे दिये जाने के बाद, अब आपको बहुत तकलीफ रहती होगी? मित्र ने कहा- नहीं, अब तो मैं ज्यादा सुखी हूं .. पहले मुझे दो लोगों का काम करना पड़ता था, अब एक का ही करना पड़ता हैं।

एक लड़की टेलीग्राम करने गई। उसने टेलीग्राम में केवल एक शब्द लिखा-यस काउण्टर पर बैठे क्लर्क ने पूछा-ये इतना छोटा टेलीग्राम आप किसे भेज रही हैं? लड़की-अपने बॉयफ्रेंड को, क्लर्क-इतने ही पैसों में आप कम से कम 10 शब्द और लिख सकती हैं। लड़की-ठीक है, लेकिन 10 बार यस-यस लिखने से क्या ऐसा नहीं लगेगा कि मैं कुछ ज्यादा ही बेक़रार हूं।

हमको यु पागल बनाना छोड़ दो, बेवजह हर बात पे सताना छोड़ दो, तुम्हारी खुशबू अलग ही होती है मेरे दोस्त, बर्तन वाले साबुन से नहाना छोड़ दो।

## कहानी | अंधेरे का भूत

सोनपुर नाम का एक बड़ा सा गांव हुआ करता था जहां अधिकतर खेतीबाड़ी करने वाले किसान रहा करते थे। वहीं, गांव के पास ही घने जंगलों के बीच पीपल के पेड़ में एक भूत रहा करता था। भूत दिनभर तो गायब रहता, लेकिन रात होते ही वह गांव वालों को खूब परेशान किया करता था। रात होते ही भूत पूरे गांव के चक्कर काटने लगता और कभी किसी के पशुओं को नुकसान पहुंचाता तो किसी किसान को इतना डराता कि वो रातभर सो नहीं पाता। भूत के डर से शाम होते ही गांव में सन्नाटा फैल जाता और रात को कोई भी घर से बाहर नहीं निकला करता था। एक बार भूत से परेशान गांव के लोगों ने एक बहुत बड़े साधू को गांव में बुलाया और उनसे अपनी समस्या का निदान करने के लिए गुजारिश की। गांव वाले साधू को उस पेड़ के पास ले जाते हैं, जहां भूत का वास होता है। साधू अपने जप और तप से भूत को काबू करने की बहुत कोशिश करता है, लेकिन वह उसके हाथ नहीं आता। अंत में साधू भूत पर काबू पाने की युक्ति निकाल लेता है और सब गांव वालों से कहता है कि ये भूत केवल रात के अंधेरे में निकलता है, जिसका अर्थ है कि इसे दिन की रोशनी से डर लगता है और रोशनी के सहारे ही भूत से छुटकारा पाया जा सकता है। साधू की बात सुनकर सभी गांव वाले मिलकर एक योजना बनाते हैं। रात को जब भूत पेड़ से निकलकर गांव में प्रवेश करता है तो किसान हाथों में मशाल लिए चारों ओर उजाला कर देते हैं। रोशनी को देखकर भूत डर जाता है और वापस पेड़ की ओर भाग जाता है। वहीं, गांव वाले भी उसके पीछे-पीछे पेड़ के पास पहुंच जाते हैं। रोशनी में साधू भूत को पेड़ से बांध देता है और फिर गांव वाले भूत को उस पेड़ के साथ ही जला देते हैं। इस तरह से गांव वालों को भूत की समस्या से निजात मिल जाता है।

**कहानी से सीख**- समस्या चाहे कैसी भी हो, अगर बुद्धि का प्रयोग किया जाए तो उससे निजात पाया जा सकता है।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें। रसोई में चोट लग सकती है।

**वृषभ**

अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

**मिथुन**

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

**कर्क**

धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

**सिंह**

पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें। शारीरिक कष्ट के योग हैं।

**कन्या**

परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी।

**तुला**

थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

**वृश्चिक**

शरीर साथ नहीं देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

**धनु**

प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेंगी।

**मकर**

कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**कुम्भ**

आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**मीन**

अनहोनी की आशंका रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

# कंफर्ट जोन ही है आपका दुश्मन : रकुल प्रीत सिंह

रकुल प्रीत सिंह अपनी आगामी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। रकुल ने अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की है, इसमें मोटिवेशन कोट लिखा है। रकुल ने पोस्ट में लिखा कि हमारा कंफर्ट जोन हमें अच्छा तो लगता है लेकिन ये हमें आगे नहीं बढ़ने देता है। अभिनेता रकुल प्रीत सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने मन के विचार साझा किए हैं। उन्होंने पोस्ट किया- आपका कंफर्ट जोन ही आपका दुश्मन है। यह बहुत अच्छी जगह है लेकिन यह आपको प्रगति नहीं करने देता। रकुल प्रीत सिंह की पोस्ट को फैंस ने बहुत पसंद किया है। कैप्शन में रकुल ने लिखा कि जो है, सो है। रकुल प्रीत ने एक इंटरव्यू में कहा था की बचपन से उनका सपना हिंदी फिल्मों में ही करियर बनाना था। उनका साउथ में काम करना एक खूबसूरत इत्तेफाक है। साउथ सिनेमा में अपना परचम लहराने के बाद रकुल ने 2014 में फिल्म यारियां से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। रकुल प्रीत सिंह, अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर की फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी फिल्म 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को बड़े पर्दे के साथ ओटीटी पर भी रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। वे इससे पहले पति पत्नी और वो, हैप्पी भाग जाएगी और खेल खेल में जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। रकुल प्रीत सिंह दे दे प्यार दे 2, इंडियन-3 जैसी आगामी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

# वैलेंटाइन डे पर ऋचा चड्ढा ने फैंस को दिया प्यार भरा तोहफा

ऋचा चड्ढा ने वैलेंटाइन डे के खास मौके पर फैंस को प्यार भरा तोहफा दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि वे खुद अपनी ही लिखी लव स्टोरी में अभिनय करने जा रही हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के दौरान उन्होंने खुद ये प्रेम कहानी भी लिखी। फिल्म का नाम फिलहाल आखिरी सोमवार रखा गया है।

ऋचा चड्ढा ने बताया कि दूसरे लॉकडाउन के दौरान वे सिर्फ निर्माता बनकर खुश नहीं थीं। उन्होंने इस दौरान एक कहानी भी लिखी। इसी कहानी पर अब वे खुद अभिनय करने को भी तैयार हैं। फिल्म को लेकर अभिनेत्री बेहद उत्साहित हैं।

फिल्म की कहानी एक टीवी रियलिटी शो के निर्माता के बारे में है। इस निर्माता को जब ऑफिस में कोई चाइल्डिस कैट लेडी कह देता है तो वह उससे शादी करने की ठान लेती है। ऋचा ने कहा, मिडिल क्लास पंजाबी परिवार में बड़े होने से मेरा एक्सपीरियंस ऐसा रहा। मेरे सभी बड़े कजिन ने अरेंज मैरिज की है। यह कहानी भी कुछ ऐसी ही है जो एक परिवार के इर्द गिर्द ही घूमती है, यह एक फैमली मूवी है, जो आपके साथ आपके परिवार को भी पसंद आएगी।

**निर्माता के तौर पर खास है कहानी**

ऋचा ने कहा कि एक अभिनेता के रूप में, मेरी कॉमिक टाइमिंग का बहुत कम उपयोग किया गया है। हालांकि, मार्केट के हिसाब से देखें तो यह फिल्म कमाई करने की खास कहानी है। फिल्म का निर्देशन कौन करेगा, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है।

ऋचा ने कहा, जब हम कॉलेज से पास होते हैं, तो बहुत सारे सपने लेकर बाहर आते हैं। कोई नौकरी में जाता है कोई बिजनेस में। जब आप 30 के होते हैं तो एक नौकरी और परिवार दोनों की आशा रखते हैं, लेकिन समाज को लगता है कि बहुत देर हो चुकी है और आप थक जाते हैं क्योंकि ये सपने अब हासिल नहीं किए जा सकते। आखिरी सोमवार भी एक ऐसी कहानी है जो पहले टूटने और फिर साथ आने की कहानी है।

# भारत की बेटी को बचाने के लिए मिशन पर निकले जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम और सादिया खातीब अभिनीत फिल्म द डिप्लोमैट का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज हो गया। दिवंगत सुषमा स्वराज की जयंती पर रिलीज किया गया यह ट्रेलर 2017 में उनके द्वारा भारत की बेटी को वापस लाने में भारतीय राजनयिक जेपी सिंह का समर्थन करने के लिए किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों को श्रद्धांजलि देता है। यह राजनीतिक थ्रिलर फिल्म इस बात के बारे में बताती है कि युद्ध के बजाय चतुराई और बातचीत नायक के अंतिम हथियार हैं। जॉन अब्राहम वास्तविक जीवन के भारतीय राजनयिक जेपी सिंह की भूमिका में हैं, जो भारत की बेटी को कैद से छुड़ाने के लिए एक उच्च-दांव

**द डिप्लोमैट का ट्रेलर जारी**

मिशन पर निकलते हैं। शिवम नायर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने रणनीति, बुद्धिमत्ता और बातचीत पर आधारित एक ऐसा किरदार निभाया है, जिसे उन्होंने बड़े पर्दे पर पहले कभी नहीं निभाया है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए जॉन ने कहा, कूटनीति एक युद्ध का मैदान है, जहां शब्दों का वजन हथियारों से ज्यादा होता है। जेपी सिंह की भूमिका निभाने से मुझे एक ऐसी दुनिया का पता लगाने का मौका मिला जहां शक्ति को बुद्धि, लचीलापन और शांत वीरता से परिभाषित किया जाता है। उजमा की कहानी भारत की ताकत और साहस का प्रमाण है और मुझे इस प्रेरक यात्रा को स्क्रीन पर जीवंत करने पर गर्व है। द डिप्लोमैट की कहानी, पटकथा और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी डिमो पोपोव और एमएससी ग्यड ने की है, जबकि संपादन कुणाल वाल्वे ने किया है। रवि श्रीवास्तव प्रोडक्शन डिजाइन की देखरेख की है। डैनियल बी जॉर्ज ने फिल्म के लिए मूल संगीत तैयार किया है, जबकि ध्वनि डिजाइन मोहनदास वीपी द्वारा किया गया है। फिल्म का मूल संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है और गीत मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। कलाकारों में रेवती, कुमुद मिश्रा और शारिब हाशमी भी शामिल हैं। यह फिल्म 7 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अजब-गजब | जापान एयरलाइन के पायलट का अजीबो-गरीब कारनामा

# जब लैंडिंग से पहले ही पायलट ने क्रैश करा दिया प्लेन, 24 लोगों की चली गयी थी जान

आपने कई बार प्लेन क्रैश के किस्से सुने होंगे। सोशल मीडिया पर कई बार प्लेन क्रैश के वीडियो भी सामने आए हैं। कई बार मौसम, तकनीकी खामियों की वजह से या अन्य कारणों से प्लेन क्रैश हो जाते हैं। लेकिन उस स्थिति में भी पायलट अपने यात्रियों की जान बचाने की हरसंभव कोशिश करता है। लेकिन क्या आपने ऐसा सुना है कि खुद पायलट ही प्लेन क्रैश कराना चाहता हो। जी हां ऐसा हो चुका है जब एक पायलट ने खुद जानबूझकर प्लेन क्रैश करा दिया था। उस प्लेन में क्रू मेंबर्स सहित 174 लोग सवार थे। घटना जापान एयरलाइंस के प्लेन के साथ हुई थी।

मामला जापान एयरलाइंस की फ्लाइट 350 से जुड़ा है। दरअसल, 9 फरवरी 1982 को जापान एयरलाइंस की फ्लाइट 350 ने फुकुओका एयरपोर्ट से टोक्यो के लिए उड़ान भरी थी। उसमें 166 पैसेंजर और 8 क्रू-मेंबर्स थे। प्लेन के कप्तान 35 वर्षीय सेइजी कटागिरी और फर्स्ट ऑफिसर 33 वर्षीय योशिफुमी इशिकावा थे। उड़ान के दौरान, कॉकपिट में फ्लाइट इंजीनियर योशिमी ओजाकी भी मौजूद थे। प्लेन जब 5 घंटे की उड़ान पूरी करने के बाद टोक्यो एयर स्पेस में दाखिल हुआ तो एटीसी से इजाजत मिलने के बाद प्लेन ने डिसेंडिंग प्रॉसेस शुरू

कर दिया था। इसी बीच प्लेन के कप्तान सेइजी कटागिरी के दिमाग में अजीब सी खुराफात आ गई। उसने लैंडिंग से कुछ ही मिनट पहले ही प्लेन का ऑटो पायलट सिस्टम डिएक्टिवेट कर दिया। इसके साथ ही थ्रॉटल को आयडल पर सेट कर थ्रस्ट रिवर्सर को एक्टिव कर दिया।

कप्तान को ऐसा करते देख फर्स्ट ऑफिसर योशिफुमी इशिकावा और फ्लाइट इंजीनियर योशिमी ओजाकी के होश उड़ गए। दोनों अच्छी तरह से जानते थे कि कप्तान ने जो किया है उसका एक ही परिणाम होगा प्लेन क्रैश। अंजाम के बारे में सोचते ही दोनों की रुह कांप गई। दोनों ने बिना समय गंवाए प्लेन को कंट्रोल करने की कोशिश शुरू कर दी। लेकिन हुआ वही जिसका उन्हें डर था। तमाम प्रयासों के बावजूद प्लेन हनेडा एयरपोर्ट के रनवे से 510 मीटर पहले पानी में उतर गया। इस हादसे में DC-8 प्लेन के कॉकपिट का हिस्सा बाकी के फ्यूज़लेज से अलग हो गया और कुछ मीटर तक आगे बढ़ने के बाद रुक गया। जानबूझकर किए गए इस क्रैश में 174 लोगों में से 24 लोगों की मृत्यु हो गई और सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्लेन के बाकी पैसेंजर को रेस्क्यू बोट के जरिए बचा लिया गया। इस हादसे के बाद रेस्क्यू बोट में चढ़ने वाला पहला शख्स प्लेन का कप्तान कटागिरी ही था। जांच में पाया गया कि प्लेन के पायलट कटागिरी को इस दुर्घटना से पहले पैरेनोइड शिजोफ्रेनिया था। कटागिरी को मानसिक रूप से असंतुलित पाए जाने पर इस दुर्घटना के लिए दोषी नहीं ठहराया गया। जांच में यह भी पाया गया कि मेडिकल जांच में कमी के चलते कैप्टन कटागिरी को प्लेन उड़ाने की अनुमति मिल गई थी।

# यह है भारत का वो राज्य, जहां की महिलाएं पीती हैं सबसे ज्यादा शराब

ऐसे में अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप भारत के उस राज्य के बारे में जानते हैं, जहां की महिलाएं सबसे ज्यादा शराब पीती हैं? यकीनन, ज्यादातर लोगों को इस बारे में नहीं पता होगा। लेकिन हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कराए गए एक सर्वे से इस बात का खुलासा हुआ है। इस सर्वे से यह पता चला है कि किन राज्यों में महिलाएं सबसे अधिक शराब पीती हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक, असम की महिलाएं सबसे ज्यादा शराब पीती हैं। वहां की 15-49 वर्ष की 26.3 प्रतिशत महिलाओं को शराब पसंद है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि भारत के सभी राज्यों में जितनी महिलाएं शराब पीती हैं, उनकी कुल संख्या से भी यह बहुत ज्यादा है। असम के बाद मेघालय का नंबर आता है। यहां की महिलाओं को भी शराब बेहद पसंद है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेघालय में 15-49 वर्ष की 8.7 प्रतिशत महिलाएं शराब पीती हैं। हालांकि, यह असम से पीछे है, लेकिन यह राष्ट्रीय औसत 1.2 प्रतिशत से काफी अधिक है। तीसरे नंबर पर अरुणाचल प्रदेश है। हालांकि, पहले की तुलना में महिलाओं के बीच शराब की खपत काफी कम हुई है। लेकिन इसके बावजूद यह तीसरे नंबर पर बना हुआ है। यहां की महिलाओं में शराब पीने की दर 3.3 है यानी कि सौ में हर तीसरी महिला शराब पीती है। इस राज्य में रहने वाले 15-49 वर्ष की आयु वर्ग के लगभग 59 प्रतिशत पुरुष शराब पीते हैं। यह देश के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा है। इसके बाद सिक्किम का नंबर आता है। सिक्किम में 15-49 वर्ष की 0.3 प्रतिशत महिलाएं शराब पीती हैं। वहीं, पांचवें नंबर पर छत्तीसगढ़ है, जहां शराब पीने वाली महिलाओं की संख्या 0.2 प्रतिशत है। वहीं, छठे स्थान पर झारखंड है। पहले झारखंड में शराब पीने वाली महिलाओं की संख्या 9.9 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 0.3न्न हो गई है। जबकि सातवें स्थान पर त्रिपुरा है। त्रिपुरा में शराब पीने वाली महिलाओं की संख्या पहले 9.6 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 0.8 प्रतिशत रह गयी है। हैरानी की बात ये है कि इस लिस्ट में भारत के महाराष्ट्र, दिल्ली, कर्नाटक जैसे प्रमुख राज्य, जहां पर कॉरपोरेट जगत का बोलबाला है। वो इस मामले में पीछे हैं।

# दिल्ली में आप नेता राघव चड्ढा की डिग्री पर संग्राम

## वित्तमंत्री ने सीए डिग्री पर उठाए सवाल

### » आप सांसद ने भी किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आप सांसद राघव चड्ढा की सीए डिग्री को लेकर संग्राम मच गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आप सांसद राघव चड्ढा की सीए की डिग्री को लेकर सवाल उठाया था। सीतारमण ने चड्ढा के बयान को लेकर काफी कटाक्ष किया था। वहीं अब आप सांसद ने इसका जवाब दिया। आप सांसद ने कहा, कल राज्यसभा में बजट पर बात करते हुए वित्तमंत्री ने मेरे बयान को लेकर काफी कटाक्ष किया था। उन्होंने कहा कि मैंने सदन को भ्रमित करने की कोशिश की थी। मैंने जो बात कही थी, मैं आज भी उस पर पूरी तरह कायम हूं।

उन्होंने यह सिद्ध करने की कोशिश की थी कि मेरा उदाहरण गलत है। अगर आप 12 लाख रुपए से एक रुपया भी अधिक कमाते हैं तो आपको अपनी पूरी कमाई पर टैक्स देना होगा। सोशल मीडिया को लेकर दिल्ली की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने कहा है कि सरकारी सोशल मीडिया को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपना निजी एकाउंट बना लिया है। लाखों लोगों की अनुमति बगैर उन्होंने यह काम किया है। सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग हुआ है। इसकी जांच होनी चाहिए।

### बेबुनियाद आरोप लगाना बंद करे भाजपा : आप

आप ने कहा कि भाजपा को आप पर बेबुनियाद आरोप लगाना बंद कर देना चाहिए और दिल्ली पर शासन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आप ने सुनिश्चित किया था कि दिल्ली को 24 घंटे बिजली मिले। इसमें बाधा नहीं आनी चाहिए। दिल्ली में शासन पहले से ही प्रभावित है। आप ने दावा किया कि सैनिक एन्क्लेव और मोहन गार्डन सहित कई इलाकों में 4 घंटे तक बिजली बाधित होने की खबरें आई हैं।

### केजरीवाल ने सरकारी सोशल मीडिया खातों को किया निजी : विजेन्द्र गुप्ता

सीएमओ दिल्ली ट्विटर अकाउंट को बदलने के मामले में दिल्ली सरकार ने ट्विटर को मेल लिखा है। साथ ही इस ट्विटर हैंडल को फिर से रिस्टोर करने व पासवर्ड चेंज करने की मांग रखी है। कुछ समय पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इसे अपने नाम से बदल लिया था। इसके बाद भाजपा के नेताओं ने उपराज्यपाल से शिकायत की। भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग कर रही है। दिल्ली सरकार के आधिकारिक सोशल मीडिया खातों के साथ खेल किया गया है। दिल्ली सरकार के आधिकारिक एक्स एकाउंट को सीएमओ से बदलकर केजरीवाल एट वर्क किया गया है। यह अकाउंट जनता की सेवा के लिए था, लेकिन इसे निजी ब्रांडिंग के लिए अपनाया गया है। करीब 10 लाख फॉलोअर्स बिना किसी अनुमति के आम आदमी पार्टी की निजी संपत्ति की तरह इस्तेमाल किए जा रहे हैं। विजेंद्र गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार का यूट्यूब चैनल भी हटाया गया है। इस चैनल पर दिल्ली सरकार के कार्यक्रमों और विधानसभा सत्रों के वीडियो मौजूद थे।

# जम्मू-कश्मीर में सब ठीक है तो पाक के रास्ते खोलें पीएम : महबूबा

### » बोलीं- मुद्दे जीवित रखकर वोट प्राप्त करना चाहती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कश्मीर मुद्दे पर केंद्र और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कश्मीर का समाधान इस तथ्य में निहित है कि परेशान क्षेत्रों जम्मू और कश्मीर के लोग अपने कल्याण के लिए एक ही दृष्टिकोण विकसित करें। मुफ्ती ने कहा कि पीएम और अमित शाह साहब कहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में सब ठीक है। इसलिए, मैं उनसे भारत और पाकिस्तान के बीच के सभी रास्ते खोलने के लिए कहती हूं ताकि वे यहां आएं और देखें कि हम कैसे रहते हैं और हमारे पास यहां क्या है। महबूबा ने कहा कि सीमा पार जम्मू-कश्मीर की तुलना में हमारे जम्मू-कश्मीर में दर्जनों मेडिकल कॉलेज और कई विश्वविद्यालय हैं।

इसलिए, आपके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है सिवाय इस तथ्य के कि आप जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को जीवित रखकर वोट प्राप्त करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहता है तो बीजेपी को भी ये शोभा देता है कि जम्मू-कश्मीर में धमाके और हत्याएं हो ताकि वो देश में हिंदू-मुस्लिम मुद्दे उठा सकें। उन्होंने कहा कि वे जानते हैं कि अनुच्छेद 370 को हटाकर उन्होंने किसी भी समस्या का समाधान नहीं किया है। जब भी कश्मीर में कुछ होता है तो शाह को बैठक बुलानी पड़ती है क्योंकि उन्हें पता है कि उन्होंने कश्मीर के साथ क्या किया है। वे केवल वोट चाहते हैं। पहले 370 था, फिर मंदिर-मस्जिद और अब वे वक्फ बिल (संशोधन) लाए हैं।

# आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल में जीत के साथ किया आगाज

### » ऋचा घोष के तेज अर्धशतक की बदौलत गुजरात टाइटंस को छह विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। ऋचा घोष और कनिका अहुजा की अर्धशतकीय साझेदारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को छह विकेट से हराकर महिला प्रीमियर लीग का शानदार आगाज किया। पहले ही मैच में स्मृति मंधाना की टीम ने इस टूर्नामेंट का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया। शुक्रवार को वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात जायंट्स ने बेथ मूनी और एश्ले गार्डनर की अर्धशतकीय साझेदारियों की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 201 रन बनाए।

जवाब में गत चैंपियन टीम ने एलिस पेरी और ऋचा घोष की अर्धशतकीय पारियों के दमपर 18.3 ओवर में चार विकेट पर 202 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मुकाबले में कुल 403 रन बने। महिला प्रीमियर लीग के एक मैच में सबसे ज्यादा रन बने हैं। इसके अलावा आरसीबी बनाम गुजरात मैच में कुल 16 छक्के लगे। यह इस टूर्नामेंट में दूसरी बार हुआ है जब किसी मुकाबले में सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं। इससे पहले 2024 में बेंगलुरु में खेले गए आरसीबी बनाम दिल्ली मुकाबले में 19 छक्के लगे थे। बता दें लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत तेज हुई थी। स्मृति मंधाना अच्छी फॉर्म में दिख रहीं थीं, लेकिन एश्ले गार्डनर ने उन्हें दूसरे ही ओवर में अपना शिकार बना लिया। इसके बाद टीम के लिए घोष (64*) और कनिका आहुजा (30*) संकटमोचक साबित हुईं। दोनों के बीच 37 गेंदों में 93* रनों की विशाल साझेदारी हुई।

### एशिया में न्यूनतम वनडे स्कोर पर सिमटी ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो। चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया को करारा झटका लगा है क्योंकि श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में उसे 0-2 की हार का सामना करना पड़ा है। श्रीलंका ने 50 ओवरों में चार विकेट पर 281 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी सात विकेट 28 रन के भीतर गंवा दिए और पूरी टीम 25वें ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। वनडे विश्व कप की चैंपियन टीम ऑस्ट्रेलिया एशिया में अपने न्यूनतम वनडे स्कोर पर सिमट गई। इस मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया का एशियाई धरती पर वनडे में न्यूनतम स्कोर 1985 में भारत के खिलाफ शारजाह में 139 रन पर ऑलआउट होना था। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी, लेकिन श्रीलंकाई स्पिनरों के सामने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने घुटने टेक दिए और उसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया का यह स्कोर श्रीलंका के खिलाफ उसका दूसरा न्यूनतम स्कोर है। इससे पहले 2013 में पूरी टीम 74 रन पर आउट हो गई थी।

# 'द्वेष की राजनीति कर रही मोहन सरकार'

### » हेमंत पर हुई एफआईआर पर भड़के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। तीन दिन पहले 21 साल पुराने मामले में विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष कटारे पर की गई एफआईआर मामले में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मोहन सरकार पर हमला बोला है। उन्हों ने कहा है कि द्वेष की राजनीति की जा रही है। 70 साल की माता, बहू पर एफआईआर की गई है क्योंकि हेमंत कटारे लगातार सरकार को सच का आइना दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार है। बीजेपी ने मध्य प्रदेश का चेहरा कलंकित किया, क्रप्शन के नए-नए विधा निकली गई। विपक्ष ने अपनी भूमिका निभाते हुए सरकार का 100 फीसदी सहयोग किया।

सरकार के काम करने का तरीका नीतियों की विपरीत है। 300 से ज्यादा वरिष्ठ अधिकारियों की लोकायुक्त में जांच चल रही है। तीन दिन पहले 21 साल पुराने मामले में विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष कटारे पर एफआईआर की है। द्वेष की राजनीति की जा रही है। जीतू पटवारी ने कहा कि 20 हजार करोड़ की डकैती करने वाली सरकार ने सौरभ शर्मा मामले में लाल डायरी क्यों छिपाई। सरकार को शर्म आना चाहिए। कटारे के परिवार जनों पर भी करवाई करना बेहद शर्मनाक है। बीजेपी राजनीतिक मर्यादा का पालन करे। सारे मंत्री लूट में लगे है। यदि जांच हो तो एक भी मंत्री मंत्रालय में नहीं बैठ पाएगा। नल जल योजना में भारी धांधली की जा रही है। प्रदेश में एक जिले में 100 फीसदी काम नहीं हुआ है।

### बीजेपी का चाल, चरित्र चेहरा नफरत का

पीसीसी चीफ ने कहा कि 70 साल की माता, बहू पर एफआईआर की गई है क्योंकि हेमंत कटारे लगातार सरकार को सच का आइना दिखा रहे हैं। कहा- बीजेपी का चाल, चरित्र, चेहरा नफरत का, भ्रष्टाचार का है। हेमंत कटारे पर एफआईआर की गई क्या ऐसा प्रदेश में एक ही केस है। अन्य पर कार्रवाई क्यों नहीं। हेमंत कटारे के साथ पूरी कांग्रेस चट्टान की तरह खड़ी है। तकनीकी सवाल यह है कि कटारे का मामला सिविल का है, क्रिमनल केस कैसे किया, सरकार डराना चाहती है।

# 'अनशन खत्म करें डल्लेवाल'

### » केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने की किसानों के साथ मीटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने किसानों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि हमारी बैठक बेहद सकारात्मक हुई। उन्होंने बैठक में अपनी मांगें रखीं। हमने किसान नेताओं की सभी मांगें सुनीं। हमने उन्हें पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए गए फैसलों से अवगत कराया। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसान नेताओं के साथ अगले दौर की बैठक 22 फरवरी को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में होगी।

किसानों के एक साल के लंबे विरोध प्रदर्शन के बाद हुई बैठक के दौरान चर्चा फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की किसानों की मांग पर केंद्रित रही। जहां जोशी ने कृषक समुदाय के कल्याण के लिए नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बात की, वहीं किसान नेताओं ने कहा कि उन्होंने तथ्यों के आधार पर दृढ़ता से अपने विचार रखे, जिसका केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के पास कोई जवाब नहीं था।

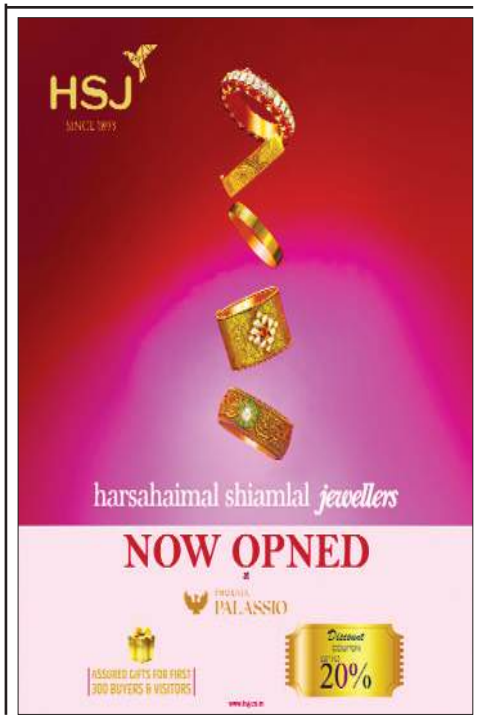

# प्रवासी भारतीयों के डिपोर्ट पर गरमाई सियासत

## अमृतसर हवाई अड्डे पर अमेरिकी विमान भेजने पर भड़के मान, कांग्रेस व आप ने साधा पीएम मोदी पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**चंडीगढ़। अमेरिका (यूएस) में अवैध तरीके से गए भारतीयों को पकड़कर डिपोर्ट किया जा रहा है। ऐसे में डिपोर्ट किए गए भारतीयों लेकर एक नहीं बल्कि दो अमेरिकी विमान आ रहे हैं। एक विमान आज यानी शनिवार को अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड करेगा। वहीं दूसरा विमान रविवार (16 फरवरी) को पहुंचेगा। इन दोनों विमानों में सबसे ज्यादा लोग पंजाब के हैं।**

उधर, एक दिन पहले यूएस से डिपोर्ट किए गए भारतीयों को लेकर अमृतसर में अमेरिकी विमान की लैंडिंग पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आपत्ति जताई थी। मान ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम करने के लिए अमृतसर एयरपोर्ट पर अमेरिकी विमान को उतारने की इजाजत दी है। सीएम के इस बयान पर राजनीति गरमा गई है। विपक्षी दल के नेता सीएम की इस स्टेटमेंट पर उन्हें खरी-खरी सुनाने में लगे हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान अमृतसर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अमेरिका से गैर-कानूनी प्रवासी भारतीयों को लेकर आ रहे विमान को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतारने के फैसले का विरोध किया। उन्होंने इस कदम को पंजाब और पंजाबियों को बदनाम करने की केंद्र सरकार की गहरी साजिश बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब को भारत के लिए सबसे ज्यादा अनाज पैदा करने वाला और देश की शक्ति के रूप में जाना जाता है, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार ने पंजाब को बदनाम करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों को लेकर आने वाले विमान को अमृतसर में उतारना भारत सरकार की विश्व स्तर पर पंजाब की छवि को खराब करने की एक सोची समझी साजिश है। भगवंत सिंह मान ने विदेश मंत्रालय की तरफ से अमृतसर को यह विमान उतारने के लिए चुनने पर सवाल उठाया जबकि देश में सैकड़ों अन्य हवाई अड्डे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पहले ही विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के पास यह मुद्दा उठा चुके हैं, लेकिन उनसे कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। कुछ दिन पहले भी एक विमान अमृतसर उतरा था और अब दो अन्य विमानों को बिना किसी ठोस तर्क के उतारा जा रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी पंजाबियों को पसंद नहीं करती, जबकि यह सच भी इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि देश की आजादी संघर्ष के दौरान शहीद हुए, जेलों में बंद हुए या निर्वासित किए गए 90 फीसदी से अधिक लोग पंजाब से थे।

### गुजरात में क्यों नहीं उतरा विमान : सुप्रिया

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों को अमृतसर ले जाने वाले विमानों के बारे में दिए गए बयान पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पिछली बार आए अधिकतर निर्वासित लोग गुजराती थे। हम यह जरूर पूछेंगे कि विमान अमृतसर में क्यों उतरा, गुजरात में क्यों नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे लोगों के साथ अमानवीय व्यवहार का मामला अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष नहीं उठाया। सरकार की विदेश नीति विफल रही है।

### पंजाब की कोई बदनामी नहीं हो रही : गुरजीत सिंह

पंजाब कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला का कहना है कि भगवंत मान ने जो कहा वह सिर्फ सुर्खियां बनाने के लिए था। उसका कोई मतलब नहीं था। यह फ्लाइट दिल्ली में लैंड होनी चाहिए थी। पंजाब की कोई बदनामी नहीं हो रही है। पंजाब में बड़ी संख्या में एनआरआई हैं, जो हमारी अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हैं। पंजाबी विदेशों में खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। सरकारें इस बड़े पैमाने पर हो रही प्रवास को रोकने के लिए क्या कर रही हैं? राज्य सरकार ने लोगों को रोजगार देने के लिए क्या किया है? राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति क्या है? क्योंकि पंजाब के लोग आर्थिक रूप से मजबूत हैं, इसलिए वे अमेरिका जाना पसंद करते हैं। बड़ी संख्या में भारतीय यूरोप और यूएई भी गए हैं। यह हमारे देश की स्थिति को दर्शाता है। भाजपा और आप सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

### इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं सीएम : फतेहजंग सिंह बाजवा

मुख्यमंत्री भगवंत मान के बयान पर पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष फतेहजंग सिंह बाजवा ने कहा कि अब तक जिन लोगों को डिपोर्ट किया गया है, उनमें से 67 पंजाब से हैं और बाकी अन्य राज्यों से हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान इस मुद्दे का राजनीतिकरण करके अपने ही राज्य को बदनाम कर रहे हैं। आप सरकार ने उन लोगों (एजेंटों) के खिलाफ क्या कार्रवाई की, जो इन युवाओं को अवैध रूप से विदेश भेज रहे हैं। ये लोग बड़ी रकम वसूलकर बच्चों को दूसरे देशों में भेज रहे हैं। पंजाब में इमीग्रेशन सबसे बड़ा उद्योग बन चुका है। अवैध इमीग्रेशन सेंटरों पर क्या कार्रवाई की गई। बाजवा ने कहा कि इस मुद्दे को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए। पंजाब के परिवार पहले से ही मानसिक दबाव में हैं। जब ये लोग विदेश जा रहे थे, तब कुछ नहीं किया गया और अब मुख्यमंत्री इसे राजनीति का मुद्दा बना रहे हैं। वे बेरोजगारी की वजह से विदेश गए थे। पंजाब सरकार ने रोजगार के लिए क्या किया, कोई उद्योग पंजाब में आकर निवेश नहीं कर रहा। मुख्यमंत्री को इन लोगों का पुनर्वास करना चाहिए और उन्हें स्टार्टअप शुरू करने के लिए लोन देना चाहिए।

# वायनाड पुनर्वास को लेकर केंद्र व केरल में घमासान

- एनडीए सरकार ने राज्य के लिए 529.50 करोड़ मंजूर किए
- केरल के मंत्री ने उठाए सवाल
- विपक्ष के नेता सतीशन का मंत्री को समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**कोच्चि। केरल में केंद्र द्वारा वायनाड को सशर्त सहायता देने को लेकर घमासान मचा हुआ है। राज्य के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने मोदी सरकार द्वारा वायनाड पुनर्वास के लिए लगभग 529.50 करोड़ रुपये का सशर्त ऋण मंजूर किए जाने के बाद केंद्र की आलोचना की। मंत्री ने इस शर्त को बहुत बड़ी व्यावहारिक समस्या बताया।**

केंद्र ने वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए अपनी पूंजी निवेश योजना के तहत ऋण मंजूर किया, इस शर्त के साथ कि केरल को 31 मार्च तक राशि का उपयोग करना होगा। केंद्र की पूंजी निवेश 2024-25 के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत ऋण से जुड़ी शर्तों के अनुसार, जारी की गई राशि को 10 कार्य दिवसों के भीतर कार्यान्वयन एजेंसियों को भेज दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें इसे थोड़ा पहले प्रदान करना चाहिए था। फिर भी, एक बार सभी मंजूरियाँ मिल जाने के बाद, राज्य पुनर्वास कार्य के पहले चरण को आगे बढ़ाएगा, जिसमें एक वर्ष के भीतर या अगले वर्ष तक एक टाउनशिप का निर्माण शामिल है। बालगोपाल से सहमति जताते हुए, विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने भी कहा कि 31 मार्च तक ऋण राशि का उपयोग करने की शर्त अव्यावहारिक थी। केंद्र के कदम की कड़ी आलोचना करते हुए, सतीशन ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि पुनर्वास कार्य के लिए विशेष वित्तीय पैकेज के बजाय ऋण प्रदान करना वायनाड में प्रभावित लोगों का मजाक उड़ाने के समान है, जिन्होंने अपनी जान, आजीविका खो दी है और असहाय खड़े हैं। उन्होंने कहा कि 16 परियोजनाओं के लिए 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करके, जिसका उपयोग 31 मार्च तक किया जाना चाहिए, केंद्र सरकार केरल की मदद करने का दिखावा करते हुए उसका दम घोंटने की कोशिश कर रही है।

### ऋण शर्तों के साथ ये समस्या

पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25 के अनुसार, यदि उस अवधि से आगे कोई देरी होती है, तो राज्य पिछले वर्ष के लिए खुले बाजार उधार पर भारित ब्याज दर के अनुसार जारी की गई राशि पर केंद्र को ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा। मंत्री ने दावा किया हमें जो मिला वह अनुदान नहीं था, यह कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) योजना के तहत 529.50 करोड़ रुपये का ऋण है। यह एक दीर्घकालिक ऋण है जिसे चुकाया जाना चाहिए। हालांकि इसका बहुत जल्दी उपयोग किया जाना चाहिए, जो ऋण की शर्तों में से एक है। यह एक बड़ी व्यावहारिक समस्या है।

# मुंबई की न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ का गबन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**मुंबई। मुंबई की न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन का मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस ने बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख व उनके सहयोगियों के खिलाफ 122 करोड़ रुपये के गबन का मामला दर्ज किया है।**

गबन मामले की जांच अब मुंबई पुलिस की अपराध शाखा करेगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए थे। यहां तक कि ग्राहक बैंक से धन की निकासी भी नहीं कर सकते हैं। आरबीआई ने लोगों की चिंताओं को ध्यान में रखकर ही बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। आरबीआई ने बैंक के बोर्ड को एक साल के लिए भंग कर दिया।

# राहुल गांधी ने कांग्रेस को आगे बढ़ाने के लिए बनाई नई रणनीति

- कई करीबियों को पार्टी में दिलाये अहम पद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को निराशा से उबारने की नई रणनीति बनाई है और उसे आगे बढ़ाने के लिए अपने करीबियों को पार्टी में महत्वपूर्ण पद दिलवाये हैं।**

कांग्रेस की ओर से संगठन में जो फेरबदल किया गया है वह साफ दर्शा रहा है कि भले पार्टी अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खरगे हों लेकिन चलती सिर्फ राहुल गांधी की ही है। हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने एक के बाद एक कई विधानसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपने राष्ट्रीय संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए दो नए महासचिव और नौ प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्यसभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन को महासचिव तथा रजनी पाटिल, बीके हरिप्रसाद और मीनाक्षी नटराजन समेत नौ नेताओं को विभिन्न प्रदेशों का प्रभारी नियुक्त किया है।

# अभी भी खत्म नहीं हो रहा प्रयागराज में भीषण जाम

## लोग भूख-प्यास से परेशान, संगम जाने वाले मार्ग पर लगी वाहनों की कतार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**प्रयागराज। प्रयागराज में आज भी सभी रास्तों पर भीषण जाम लगा है। अरेल जाने वाला रास्ते पर वाहनों की लंबी कतार लगी हैं। श्रद्धालुओं को काफी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम के घाटों से ड्रोन से तस्वीरें ली गई हैं। जहां लोग महाकुंभ 2025 में पवित्र डुबकी लगा रहे हैं।**

14 फरवरी तक दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम में 50 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगाई है। मेला प्रशासन की ओर से शनिवार को 15000 स्वच्छता कर्मियों के माध्यम से सफाई तथा रविवार को 10 हजार लोगों के हैंड प्रिंट लिए जाने का विश्व रिकॉर्ड बनाने का निर्णय लिया गया था। इसके लिए तैयारी भी कर ली गई, लेकिन शुक्रवार को स्नानार्थियों को रेला उमड़ पड़ा। अब शनिवार एवं रविवार को और भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

बता दें कि मेला प्रशासन की ओर से एक हजार ई-रिक्शा संचालन का भी रिकॉर्ड बनाया जाना है, लेकिन भीड़ को देखते हुए उसे पहले ही स्थगित किया जा चुका है।

मेलाधिकारी विजय किरन आनंद का कहना है कि तीनों रिकॉर्ड की नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी।

### महाकुंभ से शामिल होकर वापस जा रहे 10 श्रद्धालुओं की मौत

मिर्जापुर। मेजा के पास प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर शुक्रवार देर रात एक गंभीर सड़क हादसा हुआ, जिसमें 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 19 घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को लेकर जा रही बोलेरो बस से आमने-सामने टकरा गई। हादसा तब हुआ जब छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को लेकर जा रही बोलेरो बस से आमने-सामने टकरा गई। अधिकारियों के मुताबिक, बोलेरो में सवार सभी 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी पीड़ित 25 से 45 साल के बीच के पुरुष थे, जो छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के रहने वाले थे और संगम में पवित्र स्नान के लिए प्रयागराज जा रहे थे।

### बस में सवार यात्री भी घायल हुए

दुर्घटनाग्रस्त बस में मध्य प्रदेश के राजगढ़ के श्रद्धालु सवार थे, जो कुंभ मेले में शामिल होने के बाद वाराणसी जा रहे थे। घायल 19 यात्रियों को इलाज के लिए सीएचसी रामनगर में भर्ती कराया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।